

**कवचित यान पुं.** (तत्.) लोहे की मोटी चादरों से बाहर की ओर से मढ़ी सुरक्षित (आवरण युक्त) युद्ध में प्रयुक्त गाड़ी।

**कवची वि.** (तत्.) कवचित, कवच से युक्त (चीज)  
2. कवच धारण किए हुए सैनिक।

**कवन सर्व.** (देश.) कौन, क्या उदा. अवगुन कवन नाथ मोहि मारा -मानस. (तुलसी 4/9/3)।

**कवनीय क्रि.वि.** (देश.) किस प्रकार, किस तरह 2.  
वि. मनोहर, सुंदर।

**कवयिता स्त्री.** (तत्.) कवयित्री, (महिला कवि)  
जैसे- मीरा, सुभद्रा कुमारी, महादेवी वर्मा-इत्यादि कवयित्रियाँ।

**कवर पुं.** (तद्.) 1. कवल, कौर, ग्रास (भोजन का)  
2. वि. कबर (तद्.) 1. रंग-बिरंगा, मिश्रित, जटित  
3. पुं. (तद्.) 1. चोटी, जूड़ा 2. चितकबरापन 4.  
पुं. (अं.) 1. पत्रिका या पुस्तक का आवरण-पत्र, अभ्यास पुस्तिका आदि का कवर (चढ़ाया हुआ कागज, आवरण)।

**कवरपुच्छ पुं.** (तत्.) मोर, मयूर।

**कवरपुच्छी स्त्री.** (तत्.) मयूरी, मोरनी।

**कवरा/कबरा वि.** (तद्.) 1. मिश्रित 2. जड़ी हुई 3.  
रंग बिरंगी स्त्री. 'कबरी'।

**कवरी स्त्री.** (तत्.) 1. केशों को गूँथकर निर्मित चोटी 2. जूड़ा 3. वन-तुलसी।

**कवर्ग पुं.** (तत्.) देवनागरी वर्णमाला के व्यंजनों का प्रथम वर्ग, पाँच वर्णों का वर्ग, क, ख, ग, घ और ङ अक्षरों का समूह।

**कवल पुं.** (तत्.) 1. भोजन का कौर, ग्रास, निवाला  
2. एक बार में मुँह साफ करने के लिए लिया गया पानी, कुल्ली या कुल्ला 3. एक प्रकार की मछली 4. एक प्रकार की तौल पुं. (देश.) एक पक्षी विशेष 2. घोड़े की एक जाति।

**कवलबाह पुं.** (तत्.) 1. कुल्ला करने के लिए मुँह में घूँट के रूप में एक बार लिया गया पानी 2. तौल की एक प्राचीन इकाई।

**कवलन पुं.** (तत्.) 1. पकड़ 2. ग्रास 3. किसी वस्तु को खाने के उद्देश्य से मुँह में रखना, कौर लेने की क्रिया या भाव।

**कवलित वि.** (तत्.) जिसे कौर के रूप में ग्रहण दिया गया या निगल लिया गया हो, खाया या चबाया हुआ 2. निगला हुआ 3. पकड़ा हुआ 4. ग्रहण किया हुआ।

**कवाट पुं.** (तत्.) 1. किवाड़, कपाट 2. द्वार।

**कवायद पुं.** (अं.) 'कायदा' का बहुवचन, कायदे 2. किसी कार्य या विशिष्ट बात के नियम या फायदे 2. कार्य विधि 3. व्याकरण 4. तौर-तरीका स्त्री. सैन्य व्यवस्था में कराया गया अभ्यास या प्रविधि जो उन्हें युद्ध के क्षेत्र में व्यवस्थित रहने, आक्रमण करने तथा आत्म-रक्षा करने के हुनर सिखाता है।

**कवार पुं.** (तद्.) 1. कवाट, कपाट, किवाड़।

**कवि पुं.** (तत्.) जो अधिकारपूर्वक जीवनोपयोगी बात कहता हो 1. कविता करने वाला 2. ललित साहित्य का प्रणेता 3. रचनाकार या रचयिता व्यक्ति 4. ब्रह्मा 5. ऋषि 6. तत्त्वज्ञ 7. विद्वान, प्रजावान 8. कलाविद् 9. शुक्राचार्य 10. अग्नि 11. सूर्य 12. वरुण 13. इंद्र 14. छिपकर युद्ध करने वाला 15. (सांख्य दर्शन) आत्मा 16. लगाम।

**कवि-कर्म पुं.** (तत्.) 1. काव्य-रचना 2. कविता करना 3. कवि का काम।

**कविका स्त्री.** (तत्.) 1. लगाम 2. एक प्रकार की मछली 3. केवड़ा।

**कवि-कृत वि.** (तत्.) 1. कवि द्वारा प्रणीत या रचित जैसे-तुलसीदास कविकृत रामचरित मानस 2. कवि द्वारा किया हुआ।

**कवि-ज्येष्ठ पुं.** (तत्.) 1. वरिष्ठ कवि, कवियों में ज्येष्ठ या बड़ा कवि 2. आदि कवि महर्षि वाल्मीकि।

**कविता स्त्री.** (तत्.) 1. व्यक्ति के मनोविकारों को प्रभावित करने वाली रसात्मक, रमणीय पद्य-